(b) Government have noted (he conclusions *of* the Pearce Commission's Report to the effect that the proposals for an eventual settlement, agreed to between the British Foreign Secretary and Mr. Smith, are not acceptable to the people of Rhodesia as a whole. Government continue in their view that the Smith regime must be compelled to implement the principle of one-man-one-\ote, and that, if necessary, the UK should use force in her capacity as the Administering Power.

सिन्ध के विस्थापित व्यक्ति

*396. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
श्री पीताम्बर दास :
डा० भाई महावीर :
श्री ना० कृ० शेजवलकर :
श्री प्रेम मनोहर :
श्री ओइम् प्रकाश त्यागी :
श्री मान सिंह वर्मा :
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
श्री लाल आडवाणी :
श्री रत्तन लाल जैन :
श्री डी० के० पटेल :

क्या श्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हाल में हुए भारत-पाक युद्ध के परिणामस्वरूप सिन्ध से भारत आये विस्थापित व्यक्तियों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) उनके लिये निवास, उनके बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा सुविधाओं और जीविका के लिए कहां-कहां, क्या-क्या व्यवस्था की गई है और इस व्यवस्था पर कुल कितनी रकम प्रति माह खर्च की जा रही है;

(ग) उनमें से कितने व्यक्ति अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के हैं; और

(घ) क्या उन्हें भारतीय नागरिकता प्रदान करने के प्रश्न पर अन्तिम रूप से फैसला कर लिया गया है; यदि हां, तो इस संबंध में क्या निर्णय किया गया है?

DISPLACED PERSONS FROM SIND

*396. SHRI J. P. YADAV:
SHRF PITAMBER DAS:
DR. BHAI MAHAVIR:
SHRI N. K. SHEJWALKAR:
SHRI PREM MANOHAR:
SHRI OM PRAKASH TYAGI:
SHRI MAN SINGH VARMA:
SHRI JAGDISII PRASAD MATHUR: SHRI LAL K. ADVANI. SHRI RATTAN LAL JAIN: SHRI D. K. PATEL:

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state:

fa) what is the total number of displaced persons who have come to India from Sind as a result of recent lndo-Pak war;

(b) what arrangements have been made to provide them shelter, education for their children, medical facilities and means of livelihood together with the names of the places where these arrangements have been made and the total amount of money that is being spent every month on these arrangements;

(c) what is the number of scheduled castes and scheduled tribes persons out of them; and

(d) whether the question of granting them Indian citizenship has been finallj decided; and if so, what decision has been taken in this regard?]

श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री आर० के० खाडिलकर): (क) राजस्थान और गुजरात की सरकारों से प्राप्त सूचना के अनुसार विस्थापित व्यक्तियों की संख्या लगभग 70,000 है।

(ख) एक विवरण, जिसमें इन व्यक्तियों के लिए की गई व्यवस्था दिखाई गई है, सभा की मेज पर रख दिया गया है।

(ग) राज्य सरकारों से प्राप्त सूचना के अनुसार गुजरात में 3,274 हरिजन आये हैं और राजस्थान में अनुसूचित जाति की श्रेणी में आने वाले 2,224 व्यक्ति तथा अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में आने वाले 41 व्यक्ति आए हैं।

(घ) चूंकि ये विदेशी राष्ट्रिक हैं, और आशा है कि जैसे ही पाकिस्तान से हमारे सम्बन्ध सामान्य हो जाएंगे, ये पाकिस्तान में अपने घरों को लौट जाएंगे इसलिए उन्हें भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रश्न ही नहीं उठता।

विवरण

स्थान का नाम जहां शिविर स्थित है	राहत सुविधाएं	शिक्षा सुविधाएं	चिकित्सा सुविधाएं	भारतीय क्षेत्र तथा पाकिस्तानी क्षेत्र दोनों में जरूरतमन्द व्यक्तियों की राहत सुविधाओं की व्यवस्था पर खर्च करने के लिए सम्बन्धित राज्य सरकारों को अब तक दी गई कुल राशि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
राजस्थान				
बाड़मेर जिला				
1. चोहटन . .	जरूरतमन्द व्यक्तियों को राहत सुविधाएं दी जा रही हैं।	शिविरों में तथा शिविरों से बाहर रहने वाले शरणार्थियों को शिक्षा संबंधी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।	शिविरों में तथा शिविरों से बाहर रहने वाले शरणार्थियों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।	31.82 लाख रुपये
2. आलमसर .				
3. धनाऊ .				
4. कपराऊ				
5. हरसानी				
6. जिशाव				
7. सिम्याला				
8. कुन्नपुरा				
9. बाड़मेर				
10. तुरबी				

1	2	3	4	5
जैसलमेर जिला				
11. सितोराई . . .	ऊपर उल्लिखित 11 शिविरों में लगभग 9,000 व्यक्ति रह रहे हैं ।			*
गुजरात				
1. जूरा . . .	जरूरतमन्द लोगों को राहत सुविधाएं दी जा रही है ।	कुछ नहीं	डाक्टरों का दल सप्ताह में दो बार जूरा शिविर में आया करता है ।	1.50 लाख रुपये
2. सुईगाम . . .	„	शरणार्थियों की सहायता से शिक्षा सुविधाएं प्रदान करने की कार्यवाही की जा रही है ।	चिकित्सा अधिकारी शिविरों में प्रायः आया करते हैं ।	
3. थराद . .	„	„	„	

ऊपर दिये गये तीनों शिविरों में प्रवेश पाने वालों की संख्या 7,830 है ।

राजस्थान सरकार ने सूचित किया है कि उसने 24 लाख रुपये की राशि खर्च की है जबकि गुजरात सरकार ने 7.78 लाख रुपये खर्च किए हैं (महीनेवार आंकड़े उपलब्ध नहीं है) राहत सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकारों द्वारा किए जाने वाले खर्च की प्रति पूर्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है । जैसे और जब आवश्यकता होती है, राज्य सरकारों को 'लेखे पर' (आन एकाउन्ट) राशि दी जाती है ।

टिप्पणी—जहां तक इन व्यक्तियों की जीविका के साधन की व्यवस्था करने का प्रश्न है, जरूरतमन्द व्यक्तियों को राहत सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं ।

t[THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R. K. KHAD1-LKAR) : (a) About 70.000, according the information received from the Governments of Rajasthan and Gujarat.

(b) A statement indicating the arrangements made for these persons is laid on the Table of the Sabha.

(c) According to the information received from the respective State Governments there are 3274 Harijans in Gujarat and 2224 individuals who come under the category of Scheduled Castes and 41 individuals who come under the category of Scheduled Tribes in Rajasthan.

(d) The question does not arise as these persons are foreign nationals and are expected to go back to their homes in Pakistan with the normalisation of relations.

STATEMENT

Name of the place where camp is located	Relief facilities	Educational facilities	Medical facilities	Total amount so far released to the respective State Governments for incurring expenditure on provision of relief facilities to the needy persons both in Indian Territory and Pak territory.
RAJASTHAN				
Barmer District—				
1. Chohtan	Relief facilities are being provided to the needy persons.	Educational facilities are being provided to the refugees in or outside the camps.	Medical facilities are being provided to refugees in or outside camps.	Rs. 34.82 lakhs.
2. Aalamsar				
3. Dhanau				
4. Kaprau				
5. Harsani				
6. Girab				
7. Mimbala				
8. Kunanpura				
9. Barmer				
10. Turbi				
Jaisalmer District—				
11. Siterai				

About 9000 persons are living in the above mentioned 11 camps.

†[ ] English translation.

1	2	3	4	5
GUJARAT				
1. Zura . .	Relief facilities are being provided to the needy.	Nil	Team of Doctors visit Zura camp twice a week.	Rs. 1.50 lakhs.
2. Suigam .	do.	Action being taken to provide educational facilities with the help of refugees.	Medical officers often take round in the camps.	
3. Tharad. .	do.	do.	do.	
	Total number of persons who have sought admission in the above three camps is 7830.			

Government of Rajasthan have reported that they have spent a sum of Rs. 24 lakhs, while the Govt. of Gujarat have spent Rs. 7.78 lakhs (monthly figures not available). The expenditure incurred by the State Governments on providing relief facilities is reimbursed by the Govt. of India. The funds on 'on account' basis are released to the State Governments as and when they are required.

NOTE.—As regards provision of means of livelihood to these persons, it may be stated that relief facilities are being given to the needy persons.]